VedicPrayers

Ancient Vedic Mantras and Rituals

MAA KALRATRI AARTI || माँ कालरात्रि आरती ||

Maa Kalratri Aarti

कालरात्रि जय-जय-महाकाली।
काल के मुह से बचाने वाली॥

अर्थ — कालरात्रि माता की जय हो। महाकाली माता की जय हो। हम सभी को काल के मुहं से बचाने वाली कालरात्रि माँ की जय हो अर्थात वे हमें अकाल मृत्यु से बचाती हैं।

दुष्ट संघारक नाम तुम्हारा।
महाचंडी तेरा अवतार॥

अर्थ — दुष्टों का वध करने के कारण उनका एक नाम दुष्ट संहारिणी पड़ गया है। वे पापियों का नाश करने के लिए महाचंडी का रूप ले लेती हैं जो बहुत ही प्रलयंकारी रूप है।

पृथ्वी और आकाश पे सारा।
महाकाली है तेरा पसारा॥

अर्थ — संपूर्ण पृथ्वी सहित आकाश में कालरात्रि मां का ही वास है अर्थात वे महाकाली के रूप में हर जगह वास करती हैं और सभी तत्व उन्हीं से ही विद्यमान है।

खड्ग खप्पर रखने वाली।
दुष्टों का लहू चखने वाली॥

अर्थ — वे पापियों का अंत करने के लिए अपने हाथों में खड्ग (तलवार) रखती हैं और दुष्टों के कटे सिर भी उनके हाथ में रहते हैं। वे दैत्यों का लहू तक पी जाती हैं।

कलकत्ता स्थान तुम्हारा।
सब जगह देखूं तेरा नजारा॥

अर्थ — कालरात्रि माता का मुख्य मन्दिर पश्चिम बंगाल राज्य के कलकत्ता शहर में है जहाँ भक्तगण उनकी आराधना करते हैं। हम मातारानी के प्रभाव को हर जगह देख सकते हैं।

सभी देवता सब नर-नारी।
गावें स्तुति सभी तुम्हारी॥

अर्थ — स्वर्ग लोक से सभी देवी-देवता तथा मृत्यु लोक से सभी नर-नारी माता कालरात्रि की आरती करते हैं और उनके नाम का गुणगान करते हैं।

रक्तदंता और अन्नपूर्णा।
कृपा करे तो कोई भी दुःख ना॥

अर्थ — राक्षस रक्तबीज का अंत करने के कारण उनका नाम रक्तदंता है तो वहीं हम सभी का भरण-पोषण करने के कारण उन्हें अन्नपूर्णा के नाम से भी जाना जाता है। हम पर यदि माँ कालरात्रि की कृपा हो जाये तो हमें कोई भी दुःख नहीं सताएगा।

ना कोई चिंता रहे बीमारी।
ना कोई गम ना संकट भारी॥

अर्थ — कालरात्रि माता की कृपा से हमें किसी तरह की चिंता नहीं रहती है और ना ही हमें कोई रोग हो पाता है। इसी के साथ ही हमारे सभी तरह के संकट, पीड़ा व दुःख भी समाप्त हो जाते हैं।

उस पर कभी कष्ट ना आवें।
महाकाली माँ जिसे बचाबे॥

अर्थ — जिसे भी महाकाली माँ अपना भक्त मान कर उसकी रक्षा करती हैं, उस पर किसी भी तरह का संकट नहीं आ सकता है या कोई भी संकट उसका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता है।

तू भी भक्त प्रेम से कह।
कालरात्रि माँ तेरी जय॥

अर्थ — माता कालरात्रि के सभी भक्तगण प्रेम सहित कालरात्रि माता की आरती करते हैं और उनके नाम का जयकारा लगाते हैं।

Read More religious content on

vedicprayers.com